न्यूज डायरी

इजरायल के एफ 16 फाइटर जेट पर रूसी मिसाइल से हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दमिश्क। यूक्रेन की जंग के बीच सीरिया में इजरायल और रूस में तनाव बढ़ गया है। इजरायली वायुसेना के एफ–16 फाइटर जेट पर सीरिया में एस–300 एयर डिफेंस सिस्टम की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से हमला हुआ है। साल 2018 में सीरिया की असद सरकार को रूस के एस–300 सिस्टम देने के बाद पहली बार इजरायली फाइटर जेट पर सीरिया सरकार की ओर से मिसाइल हमला हुआ है। इजरायली विमान सीरिया में हमले कर रहा था और इसके जवाब में असद सरकार की ओर से यह हमला किया गया है। सीरिया में एस–300 सिस्टम को कौन संचालित करता है, अभी यह स्पष्ट नहीं है। ऐसा माना जाता है कि रूस या तो सीरिया में एस–300 को संचालित करता है या फिर असद सरकार को दिए गए इस मिसाइल सिस्टम को नियंत्रित करता है।

कराची धमाके पर चीनी प्रधानमंत्री ने फिर पाकिस्तान को लगाई लताड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। कराची यूनिवर्सिटी में हुए धमाके को 22 दिन हो चुके हैं। लेकिन पाकिस्तान अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं कर सका है, जिसे देख कर चीन बेहद निराश है। चीन लगातार पाकिस्तान से इस मामले में सख्त एक्शन लेने की मांग कर रहा है। चीन के प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान फिर से इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने कहा कि चार चीनी नागरिकों की मौत के बाद चीन गुस्से में हैं। पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ ने चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग से पहली बार फोन पर बात की। बातचीत में उन्होंने कराची यूनिवर्सिटी धमाके का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस बात पर नाराजगी भी जताई कि पाकिस्तान 22 दिन बाद भी कोई एक्शन नहीं ले सका है। इसके साथ उन्होंने आगे ऐसी घटना न हो इसके लिए चीन के अन्य संस्थाओं की सिक्योरिटी बढ़ाने को कहा है।

पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन बना बड़ा संकट, बढ़ी चिंताएं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। देश एक बुरे दौर से गुजर रहा है। देश में आर्थिक संकट के बीच चिलचिलाती गर्मी और पानी की कमी एक बड़ी समस्या बन गई है। यही नहीं पाकिस्तान को दुनिया के तीन सबसे अधिक जल–तनाव वाले देशों में से एक के रूप में नामित किया गया है। ऐसे में, अब जाकर पाकिस्तान की जलवायु परिवर्तन की संघीय मंत्री शेरी रहमान ने सोमवार को पानी की कमी का मुद्दा उठाया है। प्रधान मंत्री कार्यालय में एक बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, संघीय मंत्री शेरी रहमान ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान को 2025 तक पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि देश में प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने तपती गर्मी और ग्लेशियरों के पिघलने के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है।

छात्रों का प्रदर्शन 1989 में हुए तियानानमेन चौक के प्रदर्शन की दिलाता है याद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन में कोरोना के मामलों को रोकने के लिए सरकार सख्त कदम उठा रही है। जिसे देखते हुए अब नागरिकों में गुस्सा भड़कने लगा है। बीजिंग स्थित पेकिंग यूनिवर्सिटी में रविवार को छात्रों ने सख्त लॉकडाउन का विरोध किया। इस प्रदर्शन की तस्वीरें चीन के इंटरनेट पर जैसे ही फैलने लगी तुरंत चीनी सरकार ने इसकी सेंसरशिप शुरू कर दी। सोशल मीडिया से तस्वीरों को हटा दिया गया। छात्रों का ये प्रदर्शन देश में हुए 1919 और 1989 के तियानानमेन चौक के आंदोलनों की याद दिलाता है। पेकिंग यूनिवर्सिटी में छात्रों का गुस्सा उस समय बाहर आ गया जब स्कूल ने सख्त कोरोना प्रतिबंध लागू करते हुए भोजन की डिलीवरी पर भी रोक लगा दी। कैंपस में रह रहे छात्रों ने बताया कि उन्हें पहले कैंपस के एक हिस्से तक सीमित कर दिया गया था।

आर्थिक संकट से जल रही रावण की लंका, अशोक वाटिका भी आई चपेट में

आर्थिक संकट

रामायण के अनुसार अशोक वाटिका में ही मां सीता को रावण ने रखा थो

पर्यटकों की कमी से अशोक वाटिका में भी पर्यटक नहीं आ रहे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलंबो। रामायाण में एक दोहा है श्कपि करि हृदयँ बिचार दीन्हि मुद्रिका डारि तब। जनु असोक अंगार दीन्ह हरषि उठि कर गहेउ।श इसका मतलब है विचार करने के बाद हनुमान जी ने अंगूठी को सीता जी का सामने डाल दिया और उन्होंने ने इसे अशोका का अंगार समझ कर उठा लिया। अगर आपने रामायण देखी होगी तो आपको यह पता चल गया होगा कि यह अशोक वाटिका का प्रसंग है जहां पहली बार हनुमान जी मां सीता को भगवान राम का संदेश देने जाते हैं। जिस अशोक वाटिका में रावण ने मां सीता को रखा था आज वह आर्थिक संकट से गुजर रही है।

श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट का असर अशोक वाटिका पर दिखने लगा है। अशोक वाटिका श्रीलंका के नुवारा एलिया में स्थित है, जिसे सीता अम्मन मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर अब आर्थिक तंगी से गुजर रहा है।

मंदिर प्रबंधन के अध्यक्ष और नुवारा एलिया सांसद वी राधाकृष्णन ने सीता मंदिर को चालने में हो रही कठिनाई और उसके कर्मचारियों के सामने खड़े संकट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट के कारण पर्यटक नहीं आ रहे हैं।

क्या हो रही है समस्या

वी राधाकृष्णन ने कहा, रामायण का बेहद अहम हिस्सा अशोक वाटिका है। हर साल भारत से, खास तौर उत्तर भारत के पर्यटक यहां आते हैं। लेकिन इस समय यहां कोई नहीं आ रहा है। इस समय मंदिर को चलाना बेहद मुश्किल हो रहा है। मंदिर के स्टाफ को सैलरी नहीं दे पा रहे हैं। टूरिस्ट यहां आने से डर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, श्रामायण में यह लिखा है कि जब रावण सीता जी का हरण करके लाया तो उन्हें अशोक वाटिका में रखा था। मैंने कभी भी आज तक सीता मंदिर को खाली नहीं देखा। श्रीलंका में लोग आने से डर रहे हैं, क्योंकि यहां पावर कट बहुत हो रहा है, डीजल और पेट्रोल यहां नहीं है।

श्रीलंका में आर्थिक संकटः बता दें कि इस समय श्रीलंका आर्थिक संकट से जूझ रहा है। यहां सामान्य से सामान्य चीजें नहीं मिल रही हैं। श्रीलंका में दवाइयों, गैस, ईंधन और खाने की भारी कमी है। श्रीलंका के पास पैसा न होना इसका सबसे बड़ा कारण है। कई सालों से यहां का पर्यटन उद्योग भी पूरी तरह बर्बाद हो रखा है। होटल और रेस्टोरेंट टूरिस्टों के न होने के कारण बंद पड़े हैं।

फिनलैंड–स्वीडन को नाटो का सदस्य बनने में लगेगा एक साल!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यूक्रेन पर हुए रूस के हमले ने समूचे यूरोप का समीकरण बदलकर रख दिया है। नाटो के मुद्दे पर यूक्रेन को निशाना बनाए जाने के बाद यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा को लेकर खासा चिंतित दिखाई दे रहे हैं। यही वजह है कि फिनलैंड और स्वीडन ने रूस के विरोध और चेतावनी को दरकिनार कर इसकी सदस्यता लेने में रूचि दिखाई है। इसके लिए स्वीडन को केवल अपनी पार्लियामेंट से औपचारिक मंजूरी लेने के बाद विदेश मंत्री की तरफ से इस आवेदन पर साइन कर दिए गए हैं।

हालांकि तुर्की इन दोनों ही देशों को नाटो की सदस्यता दिए जाने के खिलाफ है। तुर्की का कहना है कि इन दोनों देशों का आतंकी संगठनों के प्रति रवैया बेहद गोल–मोल रहा है। इन दोनों देशों को सदस्यता दिए जाने पर नाटो पहले ही कह चुका है कि इसमें करीब एक वर्ष का समय लग सकता है। सबसे पहले सदस्यता लेने वाला देश नाटो को इसके लिए आवेदन करता है। ये आमतौर पर किसी देश की सरकार द्वारा एक पत्र के रूप में होता है। इसके बाद इस आवेदन पर नाटो के सदस्य मिलकर नॉथ एटलांटिक काउंसिल में चर्चा करते हैं। एनएसी ही इस बात का फैसला करती है कि क्या इस आवेदन पर आगे बढ़ा जा सकता है या नहीं।

नासा का पर्सिवरेंस रोवर सबसे अहम मिशन पर निकला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। नासा का पर्सीवरेंस रोवर 18 फरवरी 2021 को मंगल ग्रह की सतह पर पहुंचा था। 45 किमी के वृत्त वाले जिजीरो क्रेटर में यह रोवल लैंड हुआ जिसे एक साल से ज्यादा पूरे हो चुके हैं। अब यह रोवर अपने सबसे महत्वपूर्ण मिशन को अंजाम देने की ओर बढ़ रहा है। वह मिशन है मंगल पर जीवन के सबूत की खोज करना। नासा ने बताया है कि जिस क्रेटर में यह रोवर लैंड हुआ था उसी के पास एक झील की तरह दिखने वाला गड्ढा है। छह पहियों वाला यह रोवर अब उस झील की ओर जाने के लिए अपनी चढ़ाई शुरू कर चुका है।

अमेरिका ने हाइपरसोनिक हथियार का किया सफल परीक्षण

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना ने बताया कि उन्होंने सोमवार को एक एयर–लान्च रैपिड रिस्पांस वेपन हाइपरसोनिक हथियार का सफल परीक्षण किया है। अमेरिकी वायु सेना ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि B-52H स्ट्रेटोफोर्टरेस ने 14 मई को दक्षिणी कैलिफोर्निया तट से एजीएम–183ए एयर–लान्च रैपिड रिस्पांस वेपन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

दरअसल, अमेरिकी वायुसेना ने एक बयान जारी कर बताया कि बी–52 बाम्बर के जरिए एयर–लान्च्ड रैपिड रिस्पान्स वेपन को छोड़ा गया। जिसका ध्वनि की गति से पांच गुना तेज रफ्तार से भर सकता है उड़ान सफलतापूर्वक परीक्षण हुआ। अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, परीक्षण के दौरान मिसाइल ने हाइपरसोनिक हासिल की है। जो ध्वनि की गति से पांच गुना तेज रफ्तार से उड़ान भर सकता है। ये परीक्षण शनिवार को दक्षिणी कैलिफोर्निया के तट पर किया गया है।

419वें एफएलटीएस कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल माइकल जुंगक्विस्ट ने कहा कि परीक्षण टीम ने सुनिश्चित करते हुए बताया कि ये परीक्षण सफलता रहा है। उन्होंने कहा हमारी अत्यधिक कुशल टीम ने इससे पहले एयर–लान्च किए गए हाइपरसोनिक हथियार पर इतिहास रच दिया है। हम इस गेम–चेंजिंग हथियार को जल्द से जल्द योद्धा तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

आपको बता दें कि ARRW को अमेरिका को स्टैंड–आफ दूरियों से प्रतिस्पर्धी, वातावरण में जोखिम में स्थिर, उच्च–मूल्य, समय संवेदनशील लक्ष्यों को रखने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह भारी बचाव वाले भूमि लक्ष्यों के खिलाफ तेजी से प्रतिक्रिया हमलों को सक्षम करके सटीक स्ट्राइक क्षमताओं का भी विस्तार करेगा। यह AUKUS गठबंधन के तहत आता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और आस्ट्रेलिया शामिल हैं।

ब्राजील के म०डल आर्थर ओ उर्सो एक बच्चे की प्लानिंग कर रहे हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्राजीलिया। ब्राजील के मॉडल आर्थर ओ उर्सो हमेशा विवादों में रहते हैं और आए दिन हेडलाइंस बनाते रहते हैं। 9 लड़कियों के साथ शादी करने वाले ऑर्थर अब एक बच्चा पैदा करना चाहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी 9 पत्नियों में से एक ने उन्हें तलाक दे दिया है और अब वह परिवार में उसकी कमी एक बच्चे के जरिए पूरी करना चाहते हैं। वह यह बेबी किस पत्नी के साथ प्लान करेंगे यह उन्हें भी नहीं पता। उन्होंने पहले आओ पहले पाओ की बात कही है। आर्थर की पहली पत्नी लुआना काजाकी हैं जो अन्य सात पत्नियों के साथ रहती हैं। आर्थर ने हाल ही में तब सुर्खियां बटोरी थी जब उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था कि एक सेक्स रोस्टर उन्होंने तैयार किया था। ताकि वह अपनी हर पत्नी को खुश रख सकें। बाद में उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था नहीं चल सकी, क्योंकि एक पत्नी के साथ उन्हें सिर्फ इसलिए रहना पड़ता था कि इसका रोस्टर में नाम था, न कि इसलिए कि उनकी इच्छा थी।